पार्वती समूह-चल पड़े एक कदम रोजगार की ओर कोसा और सामूहिक बाड़ी कार्य का मिल रहा लाभ

रायगढ़। ग्रामीण इलाकों में प्राकृतिक संसाधन और श्रम शक्ति देखते हुए सरकार विभिन्न ग्रामीण आजीविका स्त्रोतों के विकास बारे में कार्य कर रही है। जिससे ग्रामीणों को अतिरिक्त आय का जरिया मिल सके। बिहान योजना इसी प्रकार की एक पहल है जो स्व-सहायता समूह के माध्यम से ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ कर रही है।

रायगढ़ जिले के तमनार ब्लाक में गांव बिजना के पार्वती स्व-सहायता समूह इसी पहल का परिणाम है, जिससे अभिशरण के माध्यम से कोसा से धागा निकालने का प्रशिक्षण लिया और इसे आजीविका के रूप में आगे बढ़ाया है। समूह की महिला अपना अनुभव साझा करती हुई बताती है कि समूह के माध्यम से रेशम विभाग द्वारा रीलिंग व स्पिनिग करने के लिए सहयोग मिला और हमें 7 दिन तक मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें कोसा की गुणवत्ता के बारे में बताया गया, कोसा से धागा निकालकर बाजार में कैसे बेचना है सिखाया गया।

साल 2017 में समूह द्वारा आवेदन करने के बाद रेशम विभाग से पार्वती समूह को 10 मशीन मिला और बिहान योजना से वित्तीय सहायता मिली। 15000 रुपये चक्रीय निधि और 60000 रुपये सामुदायिक निवेश निधि अनुदान प्राप्त हुआ, जिसे ऋण के माध्यम से आजीविका में निवेश किया गया। समूह में कुल 10 सदस्य है और सभी अपने-अपने घरो में घर का काम करने के पश्चात दिन में 4 से 5 घंटे कोसा से धागा निकालने का कार्य करते है। प्रत्येक सदस्य 1500 रुपये में 3000 कोसा गोटी (3000 उत्तम गुणवत्ता गोटी 3000) में रेशम विभाग से खरीद कर लाते है और महीने भर काम कर 5 से 6 हजार रूपये आसानी से कमा लेते हैं। गुणवत्ता के हिसाब से धागा 2000 से 3000 रुपये प्रति किलो बाजार में बिकता है। साल भर काम करके प्रत्येक महिलायें लगभग 50000 रुपये कमा लेती है और अपना परिवार चलाने में मदद करती है। अभी तक समूह के कुल सदस्यों ने मिलकर साल भर में 5 लाख रुपये तक की कमाई कर चुकी हैं।

इस तीन सालों में समूह के सदस्यों ने ना केवल आजीविका का एक स्त्रोत पाया बल्कि एक नये आत्मविश्वास के साथ अपने समूह का एक पहचान बनाया। इन छोटे-छोटे सफलता से ग्रामीण इलाको में समूह में विश्वास बढ़ता जा रहा है। प्रदान और बिहान के प्रयास से समूह की महिलाओं और सरकारी विभाग के बीच में एक संपर्क बढ़ा जिससे बहुत से समूह विभिन्न आजीविका को करने के लिए आगे आ रहे है। निवेश शक्ति और श्रम शक्ति का सही आंकलन कर मौसम के अनुसार सही आजीविका चुनने में समूह को मदद किया जाता है। पार्वती समूह आज उस अनुभव को सिखाते हुए आज के दिन में बैंक से 100000 रूपए कर्ज लेकर सब्जी बाड़ी आजीविका में निवेश कर रहे है। पिछले रबी फसल से 30000 रुपये की कमाई की और आगे भी कार्य जारी है।

महत्वपूर्ण एवं खास

रायपुर सहित कई इलाकों में बारिश होने की संभावना

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में मानसून धीरे धीरे पैर पसारने लगा है। जिसकी वजह से आज प्रदेश के कई स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना बन रही है। राजधानी समेत कई स्थानों में हल्की बारिश के आसार है। मौसम विभाग के मुताबिक एक द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से साउथ बिहार गंगेटिक पश्चिम बंगाल से होते हुए उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तट पर स्थित है, जिसकी वजह से प्रदेश में काफी मात्रा में नमी आ रही है। वहीं एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना बन रही है, कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। मौसम विज्ञानी एच पी चंद्रा ने मानसून को लेकर कहा कि इस बार बस्तर में मानसून पहले नहीं पहुंचेगा, बल्कि सरगुजा और रायपुर संभाग में मानसून के जल्दी पहुंचने की सम्भावना है।

लाखो की चोरी करने वाले 2 शातिर आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी देते हुए विधानसभा सीएसपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि दोनों आरोपियों से लगभग 7 लाख रुपयों के कीमती सामानों को जप्त किया गया है। वहीं शातिर चोर राजधानी रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में घूम-घूमकर घटना को अंजाम देते थे। पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली जिसके बाद कचना निवासी दो आरोपियों को पुलिस ने धरदबोचा।

प्रदेश में पहली और दूसरी डोज को मिलाकर अब तक 71.51 लाख टीके लगाए गए

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में कोरोना से बचाव के टीके की पहली और दूसरी डोज को मिलाकर अब तक (7 जून तक) कुल 71 लाख 50 हजार 985 टीके लगाए जा चुके हैं। राज्य में 45 वर्ष से अधिक के 77 प्रतिशत नागरिकों को इसका पहला टीका लगाया जा चुका है। वहीं शत-प्रतिशत फ्रंटलाइन वर्कर्स और 90 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मियों को पहली खुराक दी जा चुकी है। 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के आठ लाख 63 हजार 508 युवाओं का टीकाकरण किया जा चुका है। इनमें एक लाख सात हजार 492 अंत्योदय परिवारों के, तीन लाख 49 हजार 036 बीपीएल परिवारों के, तीन लाख 26 हजार 659 एपीएल श्रेणी के और 80 हजार 321 फ्रंटलाइन वर्कर्स शामिल हैं। प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक के 58 लाख 67 हजार लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य है। इनमें से अब तक 45 लाख 32 हजार 937 लोगों को कोरोना से बचाव के टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। प्रदेश में इस आयु वर्ग के सात लाख सात हजार 356 व्यक्तियों को टीके की दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है।

12वीं के दो छात्रों की सड़क दुर्घटना में मौत, अन्य 5 घायल

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर जिले के तखतपुर थना क्षेत्र में 12वीं कक्षा के दो छात्रों की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गयी है, वहीं अन्य पांच छात्र घायल हो गए है। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह अमोरी निवासी राकेश लहरे 20 वर्ष और दुर्गेश कश्यप 20 वर्ष अपने अन्य दोस्त विनय ध्रुव, जितेंद्र साहू, नरेश अनंत और विकास साहू के साथ जरहागांव हाईस्कूल में 12वीं की उत्तर पुस्तिका जमा करने गये थे। स्कूल में उत्तर पुस्तिका जमा करने के बाद सभी दोस्त अपनी अपनी बाइक से पिकनिक मनाने स्पॉट बेलगहना के औरापानी घूमने चले गये। यहां पर सभी दोस्तों ने मिलकर पिकनिक मनाया उसके बाद रात 7 बजे के आसपास अपने अपने घर जाने के लिए बाइक से निकले। इस दौरान बीजा कपरी तालाब के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने राकेश और दुर्गेश की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

अनुकम्पा नियुक्ति में स्कूल शिक्षा विभाग का कार्य सराहनीय अन्य विभाग भी तेजी से पहल करें : नामदेव

» मुख्यमंत्री से अनुकम्पा नियुक्ति में सीधी भर्ती के नियम को हटाकर पूर्व की भांति निश्चित वेतन देने की मांग किया

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य में विगत 5 वर्षों से 10त्न रिक्त पदों पर ही अनुकम्पा नियुक्ति देने के रोड़ा को राज्य शासन ने हटाकर मृत शासकीय सेवको के पेन्शनर परिवार को बड़ी राहत देकर अनुकरणीय कार्य किया है और इस सीलिंग के हटने के बाद लगातार विभिन्न विभागों में अनुकम्पा देने के आदेश जारी हो रहे हैं।परन्तु अनुकम्पा नियुक्ति के आदेश जारी करने में स्कूल शिक्षा विभाग सबसे आगे चल रहा है और पता चला है कि 10त्न प्रतिशत के बन्धन हटाये जाने के बाद केवल 15 दिनों में ही 700 से अधिक पात्र लोगों को अनुकम्पा नियुक्ति देकर पेंशनभोगी परिवार में उत्साह का संचार कर खुशी का माहौल पैदा कर दिया है। जारी विज्ञप्ति में त्वरित गति से बिना मीन- मेख के पात्र लोगो को अनुकम्पा नियुक्ति देने लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों की तत्परतापूर्ण मार्गदर्शन, जिला शिक्षा अधिकारियों की संवेदनशीलता और कर्मचारियों की कार्यकुशलता की छत्तीसगढ़ राज्य सँयुक्त पेंशनर्स फेडरेशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने सराहना की है और अन्य विभागों को भी त्वरित गति से पहल कर अनुकम्पा नियुक्ति आदेश तत्परता से जारी करने की मांग की है।

नक्सलियों ने पुलिस पर शोभराय की हत्या करने का लगाया आरोप

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। नक्सलियों के दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के प्रवक्ता समता द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य में कहा गया है कि 06 जून को तेलंगाना पुलिस द्वारा दक्षिण सब जोनल कम्युनिकेशन विभाग के प्रभारी, डीवीसीएम शोभराय (गड्डम मधुकर) की निर्मम हत्या की हमारा दक्षिण सब जोनल ब्यूरो कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसके विरोध करने तमाम मानवाधिकार संगठनों, प्रगतिशील-जनवादी बुद्धिजीवियों, मीडियाकर्मियों, वामदलों एवं क्रांतिकारी जनता से अपील किया है।

जारी प्रेस वक्तव्य में पुलिस पर आरोप लगाया गया है कि नक्सली शोभराय को चिकित्सा सुविधा देने की बात तो दूर उन्हें अमानवीय तरीके से यातनाएं दी गयी एवं 06 जून को उनकी पाशविक तरीके से हत्या की गयी। एक पखवाड़े के भीतर ही ठीक इसी तरीके से 27 मई को प्लाटून कमांडर गंगाल की हत्या का भी आरोप लगाया है। उन्होने कहा कि अत्यधिक गंभीर मामले में उचित इलाज लिए भेजे गए हमारे दो कॉमरेडों की निर्दयतापूर्वक हत्या करने वाली सरकार एक तरफ विषाक्त भोजन के कारण माओवादी नेताओं व कार्यकर्ताओं के बीमार होने व दूसरी ओर कोरोनाग्रस्त होने के झूठे प्रचार का कड़ा विरोध करने की बात कही गई है

उन्होने कहा कि माओवादी नेताओं व कार्यकर्ताओं के कोरोनाग्रस्त होने , विषाक्त भोजन के सेवन से गंभीर अस्वस्थता के शिकार होने, इलाज के अभाव में कइयों की मौत होने का झूठा प्रचार किया जा रहा है। साथ ही पुलिस अधिकारी कोरोना के बहाने आत्मसमर्पण करने और बेहतर इलाज पाने का लालच दिखा रहे हैं। हमारी आपूर्ति व्यवस्था की किसी कमजोर कड़ी के माध्यम से खाद्य पदार्थों को विषाक्त बनाकर भेजा गया, जिसके चलते हमारे कुछेक नक्सली गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गए थे, जिनमें से अधिकांश स्वस्थ हो गए हैं।

कोविड-19 महामारी से मृत व्यक्तियों के बेसहारा बच्चों को मिलेगी निःशुल्क शिक्षा

» कक्षा पहली से 8वीं तक 500 रूपए और कक्षा 9वीं से 12वीं तक एक हजार रूपए प्रति माह की छात्रवृत्ति

» जिला शिक्षा अधिकारी अथवा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को किया जा सकेगा आवेदन

रायगढ़। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कोरोना महामारी से राज्य के मृत व्यक्तियों के बेसहारा बच्चों को निःशुल्क स्कूली शिक्षा के साथ ही छात्रवृत्ति भी प्रदाय करने राज्य शासन द्वारा 'छत्तीसगढ़ महतारी दुलार योजना 2021' प्रारंभ की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस योजना के क्रियान्वयन के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है।

जारी अधिसूचना के अनुसार योजना का क्रियान्वयन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जाएगा। योजना के तहत ऐसे पात्र स्कूलों में प्रवेशित छात्रों को कक्षा पहली से 8 वीं तक 500 रूपए प्रति माह और कक्षा 9वीं से 12 वीं तक एक हजार रूपए प्रति माह की छात्रवृत्ति दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में विगत 18 मई को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में महतारी दुलार योजना लागू करने के संबंध में निर्णय लिया गया था।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा महतारी दुलार योजना के क्रियान्वयन के संबंध में पत्र जारी कर सभी जिला कलेक्टरों से कहा गया है कि स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और समाज कल्याण विभाग के समन्वय से ऐसे बच्चों को इस योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। छत्तीसगढ़ महतारी दुलार योजना 2021 शैक्षणिक सत्र 2021-22 से लागू की जा रही है। योजना का लाभ छत्तीसगढ़ के मूल निवासी परिवारों से संबंधित बेसहारा बच्चों को मिलेगा। इस योजना की पात्रता शर्तों में ऐसे बच्चे जिनके परिवार से कमाने वाले माता या पिता या दोनों की मृत्यु कोविड-19 से हो गई हो। इसके अलावा बेसहारा बच्चे स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के लिए पात्रता रखते हों और जिनके घर में कमाने वाले व्यस्क सदस्य न रहने के कारण भरण-पोषण की समस्या हो गई हो उन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा।

योजना के तहत पात्र पाए गए बच्चों को प्रदेश के शासकीय शालाओं में निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। ऐसे पात्र बच्चों को राज्य शासन द्वारा संचालित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी तथा उनके शिक्षा का सम्पूर्ण व्यय राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा। इसके साथ ही छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। ऐसे बच्चे जिनके कमाने वाले माता-पिता की मृत्यु हो गई उन्हें निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। पात्र छात्रों को स्कूली शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रतिभावान छात्रों को व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रशिक्षण, कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

इस योजना का लाभ लेने के लिये छात्र स्वयं या अभिभावक द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को सीधे आवेदन कर सकेंगे अथवा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को भी आवेदन कर सकेंगे। जिसे वे जिला शिक्षा अधिकारी के पास अग्रेषित करेंगे।

आत्मसमर्पित पूर्व नक्सली का नक्सलियों किया अपहरण

बीजापुर(आरएनएस)। जिले के ग्राम लिंगागिरी से नक्सलियों ने एक आत्मसमर्पित पूर्व नक्सली रामा कृष्णा का अपहरण कर लिया है, जिसकी पतासाजी में पुलिस लगी हुई है, अब तक अपहरित आत्मसमर्पित नक्सली का कुछ भी पता नहीं चल पाया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र के लिंगागिरी से आत्मसमर्पित नक्सली रामा कृष्णा जब अपने भाई के यहां ग्राम लिंगागिरी गया हुआ था, इसकी भनक लगते ही नक्सली रविवार की रात में नक्सलियों ने लिंगागिरी उसके भाई के घर से अपहरण कर ग्राम आउटपल्ली की ओर लेकर गए हैं। अब तक अपहरित आत्मसमर्पित नक्सली का कोई सुराग नहीं मिल सका था।

बीजापुर एसपी कमलोचन कश्यप ने आत्मसमर्पित नक्सली के अपहरण की पुष्टि की है।

मुख्यमंत्री ने बालोद जिले को दी 400 करोड़ रूपए की सौगात

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय मे आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से बालोद जिले को 399 करोड़ 32 लाख रूपए की लागत वाले विकास एवं निर्माण कार्यों की सौगात दी, जिसमें 302 करोड़ 26 लाख रूपए की लागत वाले 131 कार्यों का भूमिपूजन तथा 97 करोड़ 6 लाख रूपए की लागत वाले 66 कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर बालोद जिले के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने बालोद जिले में जिन कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया उनमें मुख्य रूप से 24 करोड़ 25 लाख रूपए की लागत की बालोद जल आवर्धन, डौंडी के 16 करोड़ एक लाख रूपए की लागत से एकलव्य आदर्श विद्यालय, 4 करोड़ 80 लाख रूपए की लागत के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल, 2 करोड़ 60 लाख रूपए की लागत के ग्राम पटेली में तांदुला नदी पर निर्मित एनीकट का लोकार्पण शामिल हैं। इसी प्रकार बालोद जिले यातायात को सुगम बनाने के लिए 40 करोड़ 74 लाख रूपए की लागत के अवारी-कुंआगोंदी-आमाडुला मार्ग का उन्नयन, 23 करोड़ 15 लाख रूपए लागत के गुण्डरदेही बायपास मार्ग खल्लारी से मड़ियापार मार्ग का निर्माण, 13 करोड़ एक लाख रूपए लागत के भंवरमरा से मंगचुवा-करेंझर सड़क निर्माण, 11 करोड़ 5 लाख रूपए लागत के आमडुला-सिंघोला से बेलोदा-गोड़पाल-मुल्लेगुड़ा सड़क निर्माण, 10 करोड़ 57 लाख रूपए लागत के कुसुमकसा से पण्डेल सिंघनवाही सड़क निर्माण का भूमिपूजन शामिल हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठन सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं॰ 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु॰ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य तथ्य में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूर्धन्य विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .....
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

गरीब परिवारों को मिलेगा जुलाई से नवंबर तक का निःशुल्क राशन - मुख्यमंत्री

बालोद (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में बालोद जिले में 399 करोड़ 32 लाख की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया और जिलेवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कोरोना महामारी के चलते प्रदेश के गरीब परिवारों को बड़ी राहत देते हुए जुलाई से नवम्बर माह तक का चावल निःशुल्क प्रदान करने की घोषणा की। प्रदेश के सभी बीपीएल राशन कार्ड धारकों को जुलाई से नवम्बर तक पांच माह का चावल निःशुल्क दिया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जारी सभी राशन कार्डो को पीएम गरीब कल्याण योजना के समकक्ष अतिरिक्त चावल भी देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सालभर के दौरान कोरोना महामारी की पहली और दूसरी लहर ने हमारे सामने बहुत से कठिन चुनौतियॉ खड़ी की, लेकिन वे नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने के हमारे संकल्प को डिगा नहीं सकी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब कोरोना की दूसरी लहर पूरी तरह से नियंत्रण में है। कोरोना संकट काल के दौरान विकास कार्यों की रफ्तार धीमी जरूर हो गई थी, परंतु थमी नहीं थी। अब हालात सामान्य होने लगे हैं, विकास के कार्य तेजी से होंगे और हम पूरी क्षमता से गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री बघेल ने आज वर्चुअल कार्यक्रम में जिले को 399 करोड़ 32 लाख रूपए लागत के 187 विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन कर विकास कार्यों की सौगात दी। जिसमें 97 करोड़ 06 लाख रूपए लागत के 66 विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण और 302 करोड़ 26 लाख रूपए लागत से बनने वाले 121 विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री ने जिन कार्यों की सौगात दी उसमें मुख्य रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क एवं पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर नगर पालिका परिषद बालोद में जल आवर्धन योजना के तहत् पाईपलाईन विस्तार हेतु एक करोड़ रूपए राशि की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल के माध्यम से अब राज्य में गरीब परिवारों के बच्चों को भी गुणत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। इन स्कूलों से पढ़ने वाले बच्चों में आत्मविश्वास जगेगा, जिससे उन्हें देश-दुनिया में भी रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। स्वामी आत्मानंद स्कूल बालोद के बच्चों ने जिला एवं ब्लॉक स्तर में शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रारंभ करने और उत्कृष्ट शिक्षा की व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताया। बच्चों द्वारा अंग्रेजी में बातचीत किए जाने की मुख्यमंत्री ने सराहना की और बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।